#  <br>  <br>  

VOL. XXVI. No. 30 The Greatest Possible Good to the Greatest Possibio Numbor


GODERICH, ONTARIO, WEDNESDAY, AUG. 13, 1873
WHOLE NO. 1382



| poctru. |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| Let us cherish a memory for pleasant Aninge |  |  |  | haro |
| And let all others :", <br> ever by giving "tit for tat," | $\substack{\text { lidec } \\ \text { limere }}$ | Linay oerl |  |  |
| It is not by dwelling on faneied wrongsThat wo feel their stin arow less; |  |  |  |  |
|  | Rna |  |  |  |
| Aud malice onee entering the heart issureTo ernsh outall tenderness. |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| Forgures forget, though the wrovg | \%oo |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | dex |  |  |  |
|  |  |  |  | \%nethin of lurr ami 1 |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| The heart is a garden, our thunghts the flowers |  |  |  |  |
| That spring into fruitful life;Have a care that in sowiug there fall noseed |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| From the wed of cruel strife. Oh: loving words are not hard to say <br> If the heart be loving tor, |  |  |  |  |
| And the kinder the thonghts youtriye toothers others |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |

[^0]




[^0]:    
    
    

